मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-2

“मैंने अपनी कामुक पड़ोसन के साथ सेक्स करना चाहता था. एक दिन दारू पीने के बाद दोस्तों के उकसाने पर मैं अपनी उस पड़ोसन के घर गया. वो समझ गयी कि मैंने पी रखी है. …”

Story By: (Pradhanji)
Posted: Saturday, January 5th, 2019
Categories: हिंदी सेक्स स्टोरी
Online version: मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-2

अब तक इस सेक्स कहानी के पहले भाग
मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-1
में आपने पढ़ा था कि दोस्तों के साथ दारू पीने के बाद दोस्तों के उकसाने पर मैंने अपनी कामुक पड़ोसन कौशल्या के घर चला गया था. वो चाय बनाने रसोई में गयी तो मैं भी उसके पीछे रसोई में चला गया.
अब आगे :

कौशल्या ने पूछा- क्या हुआ मास्टर जी आपको कुछ चाहिए था क्या ?
“नहीं नहीं … बस मैंने सोचा आज रसोई में आपकी थोड़ी मदद कर दूँ.”

मैं कौशल्या के ठीक पीछे खड़ा हो गया. वो समझ गयी थी कि मैंने शराब पी रखी है.

“मास्टर जी जरा वो ऊपर रखी चीनी का डब्बा निकल दीजिये ना … मेरा हाथ नहीं पहुँचेगा.”
मैंने भी नशे के झोंक में कौशल्या को पीछे से कमर के बल उठा लिया और कहा- अब तो हाथ पहुँच जाएगा ना.

इस दौरान मैंने नोटिस किया कि मेरे छूने से कौशल्या को कोई परेशानी नहीं हुई. बजाए उसके उसने मुस्कुरा कर कहा- आप में तो बहुत दम है, मुझे लगा जवानी के साथ जोश भी चला गया होगा. लगता है ये सब शराब का कमाल है.
मैंने अब भी उसे गोद में ही उठा रखा था.

“अरे उतारिये मुझे मास्टर जी, कोई आ जाएगा तो क्या सोचेगा ?”

“कोई नहीं आएगा … मैंने आते वक़्त बाहर का दरवाजा लॉक कर दिया था. कौशल्या तुम तो जानती हो, मेरी पत्नी के गुजरने के बाद मुझे कभी यौन सुख नहीं मिला, प्लीज एक बार … एक बार के लिए मेरी पत्नी बन जाओ. मैं जानता हूँ आप भी मुझमें रूचि दिखाती हैं, मेरे साथ घूमना फिरना बातें करना, मेरी तरफ इतना झुकाव है तो फिर ये हया की दीवार क्यों, आपकी आंखों में मेरे प्रति वासना की चाह साफ छलकती है.”

“लेकिन ये सब गलत है मास्टर जी … समाज क्या कहेगा, किसी को पता चल गया तो ?”
“घबराती क्यों हो कौशल्या रानी … किसी को नहीं पता चलेगा.”
इतना कह कर मैं कौशल्या को किस करने लगा. वो भी मदहोश हो गयी और मेरा साथ देने लगी.

क्या होंठ थे, इतने दिनों बाद किसी स्त्री के बांहों में होना मुझे तरन्नुम दे रहा था. मैं तो पागलों की तरह उसे चूम रहा था. मेरा एक हाथ उसकी कमर में था और दूसरा हाथ उसके उभरे हुए स्तनों पर था.

मैंने बहुत जोर से उसे अपनी बांहों में कसा हुआ था. फिर मैं उसके मस्त नर्म नर्म स्तनों को दबाने लगा. वो भी गर्म होने लगी. वो कह कुछ रही थी और कर कुछ रही थी.
“छोड़िये न मास्टर जी … छोड़िये ना.”

उसकी ना में मुझे हां साफ झलक रही थी, उसके निप्पल चने की तरह सख्त हो गए थे. लगा अब ब्लाऊज फाड़ कर बाहर आ जाएंगे. मैं और जोर जोर से उसके स्तनों को दबाने लगा. मैं इस कदर उसे चूम रहा था कि वो दर्द से आह की आवाज भी ना निकल सकती थी.

फिर वो मुझसे छूटने की कोशिश करने लगी. पर मैं कहां रुकने वाला था, मैंने उसे करीब 10 से 15 मिनट तक यूं ही बांहों में जकड़े रखा. मेरा लिंग भी तन के खड़ा हो गया था और साड़ी के ऊपर ही उसकी योनि से रगड़ रहा था.

अब तो उसे भी मजा आने लगा. दोनों पसीने से लथपथ होने लगे.
“कौशल्या जी आप में तो बहुत गर्मी है, लगता है, आपके पति देव ने कभी आपकी गर्मी ठीक से शान्त नहीं की.”

वो बस मुझसे चिपकी रही. फिर मैं उसे गोद में उठा कर बेडरूम की तरफ ले गया. उसने अपनी आंखें बंद कर लीं. मैंने धीरे से उसे बेड पे लिटाया, उसने झट से अपनी करवट बदल ली और दूसरी तरफ घूम कर लेट गयी.
“देखिये मास्टर जी ये जो हो रहा है, ये ठीक नहीं है, भले मेरे पति मुझे संतुष्ट ना कर पाते हों, पर किसी पराये पुरुष से हमबिस्तर होना गलत है.”
“इतना क्यों सोचती हो कौशल्या, मैंने भी पत्नी के गुजरने के बाद कभी किसी स्त्री से सम्बन्ध नहीं बनाए हैं. पर तुम्हें देख कर मैं अपने आप पर काबू नहीं रख पाता हूँ और तुम भी तो मेरा साथ पसंद करती हो.” यह कह कर मैंने उसे अपनी तरफ घुमाया.
“वो तो है मास्टर जी … मुझे हमेशा से ही आपके जैसे हट्टे कट्टे पुरुष पसंद थे और आप तो मेरे पति से दोगुना हो.”

यह सुन कर मैं झट से उसके ऊपर चढ़ गया और उसे बांहों में जकड़ कर लिपट लिपट कर उसके होंठों का रसपान करने लगा. कभी वो मेरे नीचे, तो कभी मैं उसके नीचे.

अब लग रहा था कि वो भी मेरा खुल के साथ दे रही थी. उसे मेरे शरीर का भार और बनावट आदि सब पसंद आ रहा था. अब वो हल्की गर्म सांसों के साथ सिसकारियां लेते हुए पूरी उत्तेज़ना में आ गई थी. वो अपने स्तनों को मसलने लगी. मैंने भी अपने शर्ट के बटन खोले और उसकी स्तनों पर टूट पड़ा, उसके ब्लाऊज के हुक खोलने लगा.

“मास्टर जी लाइट बंद कर दीजिये ना … मुझे थोड़ी शर्म आ रही है.”
“अब क्या शर्म कौशल्या मेरी रानी … उजाले में क्या दिक्कत है, जलने दो ना लाइट, जरा मैं भी तो देखूँ मेरी रानी चुदते वक़्त कैसी दिखती है.”

“अच्छा जी, आप तो बहुत नटखट हो मेरे राजा.”

इस दौरान मैं ठीक उसके ऊपर था, मैंने ब्लाऊज के हुक खोले और उसके बड़े बड़े स्तनों को जोर जोर से दबाने लगा और उसके निप्पल को होंठों से चूसने लगा. दोनों स्तनों को चूस चूस कर मैंने पूरा गीला कर दिया था.

वाह मेरी रानी … क्या मस्त चुचियां है तेरी ! एकदम दूध से भरी हुई, बड़े दिनों बाद ऐसा दूध पिया है. कौशल्या मेरी रानी अ हह अहा !”
“आह … पी लो मेरे राजा … अब तो बस ये तुम्हारी दीवानी हो गयी है, इससे पहले इस दूध को इसके मालिक ने कभी ऐसे नहीं दुहा था … अह … सच में बहुत मजा आ रहा है मेरे मास्टर राजा. अब बस जल्दी से डालो ना अपना अन्दर.”
“क्या कहाँ डालूँ मेरी कौशल्या रानी … जरा खुल के नाम तो लो अपने चमन का और मेरे माली का.”
“अपना लंड डालो मेरी चूत में मास्टर जी, लंड पेल दो मेरी प्यासी चूत में.”
“अरे इतनी जल्दी क्या है मेरी रानी.”

आज मैं कौशल्या को ऐसे चोदना चाहता था कि वो मेरी वासना की दीवानी हो जाए. मैं अपना हाथ कौशल्या की नाभि में फेरने लगा, फिर हाथ पेटीकोट के अन्दर डाला और धीरे धीरे उसकी चूत में उंगली करने लगा.

आह क्या … कोमल फूली हुई और चिकनी चूत थी … मानो कोई सील पैक नई नवेली दुल्हन की चूत हो. फिर मैं थोड़ी तेजी से उंगली करने लगा.

“हम्म आह्ह … मास्टर जी, आराम से धीरे धीरे करो न …”
“मेरी जान तुम्हारी चूत तो एकदम टाईट है, लगता है तुम्हारे पति ने कभी तुम्हारी चूत उंगली भी नहीं की.”

“अरे नहीं की है बाबा … अब उसकी बातें मत करो प्लीज !”
“अच्छा नहीं करता हूँ मेरी रानी, पर तुम जरा अपनी पैर फैलाओ ना … जरा चख कर देखूं तेरी चूत की स्वाद.”

इतना सुनते ही उसने अपने पैर फैला दिए. मेरे दोनों हाथ उसकी चुचियों को मसल रहे थे और मैं उसकी चूत चाटने का आनन्द ले रहा था. मैं अपनी पूरी जीभ उसकी चूत के अन्दर बाहर करता, तो वो गनगना उठती. यूं अपनी चूत चटवाना कौशल्या का पहला अनुभव था. वो आह आहा हह की आवाज के साथ जोर जोर से झटके ले रही थी.

कौशल्या की ऐसी उत्तेज़ना और कामुकता देख कर मुझे बहुत मजा आ रहा था, पर मैं इतने जल्दी में ना था. मैंने उसकी चूत खूब मजे से चाट कर और भी लाल और कोमल कर दिया.

“मास्टर जी बस कीजिये ना … अब और मत तड़पाईए, अब जल्दी से इस प्यासी चूत में अपना लंड डाल दीजिये.”
“अरे मेरी कौशल्या रानी पहले पूरी नंगी तो हो जाओ.”

मैंने उसकी साड़ी और पेटीकोट भी उतार दिया. बिना कपड़ों के क्या माल लग रही थी वो … एकदम रसगुल्ले की तरह गोलू मोलू.

अब वो पलंग पर मेरे नीचे थी और मैं ऊपर बैठा था. मैंने अपना पजामा उतार दिया और अपना 8 इंच का लंड उसके हाथों में थमा दिया. कौशल्या मेरा लंड देख कर थोड़ा चौंक गयी.

“क्या हुआ मेरी जानू … घबरा गयी क्या … जरा इसे मुँह में तो लेकर देखो.”
मैंने कौशल्या के मुँह में अपना लंड दे दिया, शायद उसने अपने पति का लंड भी कभी नहीं चूसा था. तो मैं धीरे धीरे उसका सर पकड़ कर ऊपर नीचे करने लगा. अब उसे मेरे लंड को

चूसने में मजा आने लगा. वो पूरी रफ़्तार से लंड मुँह के अन्दर बाहर करने लगी. मैं भी पूरे जोश में आ गया.

अब मेरा लंड और भी सख्त और मोटा हो गया था. मैंने कौशल्या को पलंग के ऊपर खींच कर उसे अपने नीचे कर दिया. उसकी दोनों टांगों को फैला कर अपने कंधों पर ले लिया. उसने अपनी आंखें बंद कर लीं. मैंने हल्का सा थूक … उसकी चूत पे गिराया और अपना लंड उसकी उभरी हुई जगहों पर रगड़ने लगा. लंड का टच पाते ही कौशल्या मचलने लगी.

फिर मैंने अपने लंड का सुपारा उसकी चूत पे टिकाया और हल्का सा एक धक्का दे मारा. पक्क की आवाज के साथ मेरे लंड का सुपारा कौशल्या की चूत में घुस गया. उसने एक हल्की सी आह के साथ अपनी आंखें खोल दीं.

फिर मैंने अपना सुपारा बाहर निकाला, लंड को थोड़ा हिलाया और हल्का सा काम रस उसकी चूत पे गिराया. फिर पूरे लंड को उसकी चूत पे ऊपर से नीचे तक रगड़ा और फिर अपना सुपारा उसकी चूत पे टिकाकर एक जोर का शॉट लगाया. मेरा आधा लंड उसकी चूत में घुस गया.
कौशल्या दर्द से चीख उठी- आहह्ह्ह … मर गई …
वो मुझे धक्का देकर फट से थोड़ा पीछे हो गयी. मेरा लंड आधे से अधिक बाहर हो गया.

“आह … आपका लंड बहुत बड़ा है … थोड़ा धीर धीरे घुसाइए ना मेरे राजा … मैं कौन सा अब भागने वाली हूँ यहाँ से.”
“क्या करूँ मेरी जान तेरी चूत है ही इतनी टाईट … थोड़ा बर्दाश्त कर ले मेरी रानी … अच्छा रुक तेरी चूत थोड़ी गीली करता हूँ, फिर आराम से लंड उसके अन्दर जाएगा.”

मैंने एक तकिया उसके कमर के नीचे लगाया ताकि मुझे थोड़ी अच्छी पकड़ मिले. फिर मैंने उसकी चूत को चाट कर जोरदार उंगली करना चालू कर दिया. वो छटपटाने लगी ‘उम्म्ह…

अहह… हय… याह…’

कुछ 3-4 मिनट बाद उसकी चूत ने हल्का सा पानी छोड़ा. मैंने तुरंत वो सारा रस रगड़ कर अपने लंड पे लगा कर चिपचिपा और चिकना सा कर दिया. फिर दोनों हाथों से उसकी कमर को जोर से पकड़ा, अपनी तोंद उठाई, हल्के से लंड को उसकी चूत पे टिकाया और एक जोर का शॉट लगा दिया.

इस बार फचाक की आवाज से लंड कौशल्या की चूत को चीरता हुआ पूरा अन्दर तक घुस गया.
वो दर्द से चीख पड़ी- आहह !
उसने मुझे जोर से पकड़ लिया.
कुछ 20 सेकंड हम बस यूं ही पड़े रहे. क्या मस्त आनन्द आया था वो शॉट लगा कर
आह्हह ओह …

फिर मैंने अपना लंड निकल तो देखा तो उसकी चूत से खून आ रहा था. मैं समझ गया कि कौशल्या के पति का लिंग इतना छोटा होगा कि वो सील भी नहीं तोड़ पाया होगा.
बेचारी कौशल्या कैसे नामर्द पति से शादी कर ली उसने.

फिर मैंने कपड़े से उसका खून साफ किया और धीरे धीरे उसकी चुदाई चालू कर दी. दोनों हाथों से उसके निप्पलों को मसल मसल कर उसकी चुचियों को दबा रहा था. साथ ही लंड हल्के हल्के मधुर ध्वनि के साथ पच्च पच्च अन्दर बाहर हो रहा था. हर 6-7 हल्के शॉट के बाद एक जोर का शॉट मार देता, ताकि लंड का ख़ौफ़ बना रहे.

कौशल्या भी 6-7 बार अह अह के बाद एक जोर से आहह करती … अब उसका दर्द मजे में बदलने लगा था. उसकी चूत मेरे लंड पर फिट बैठने लगी थी. हम दोनों को खूब आनन्द आ रहा था. मुझे तो कोई जल्दी थी नहीं … मैं भी उसे इसी तरह प्यार से चोद रहा था.

इस मस्त चुदाई में लगभग 20 मिनट गुजर गए थे.

“और कौशल्या रानी … कैसा लग रहा है मुझसे चुद कर … मेरी सील पैक रानी.”
“जान निकाल दी आपने तो मेरी … मेरी सील तोड़ राजा … आज पहली बार ऐसा लगा कि चुदाई हुई है मेरी … अब आपका जब जी करे, मुझे चोदने आ जाना. मैं इन्तजार करूँगी.”
“अरे मेरी रसगुल्ला … आज का प्रोग्राम अभी लम्बा चलेगा मेरी जान … इतने साल बाद कोई सील पैक माल मिली है … तुझे तो सारी रात चोदूँगा आज.”
यह कह कर मैंने चुदाई थोड़ी तेज कर दी ‘घप घप घपघप …’

कौशल्या की वो मीठी दर्द की बंगाली आवाज आने लगी- आह आह आह आह्ह ओरे बाबा धीरे … धीरे … एक्टू धीरे अमार राजा … हम्म आह ऊह्ह !
कुछ जबरदस्त शॉट लगाने के बाद वो झड़ने लगी- आअह्ह हम्म आह्ह !
उसकी चूत के पानी से चूत और चिकनी हो गयी. अब मुझे और मजा आने लगा. मैं दोनों हाथों से चुचियों को मसल मसल कर उसका दूध पी रहा था. वो भी कमर उठा उठा कर लंड के मजे ले रही थी.

तभी मैं झड़ने को आ गया. मैंने और जोर से धक्का लगाना शुरू कर दिया. कुछ 20-22 जोरदार शॉट के बाद मैंने भी फचक फचाक से अपना गर्म गर्म वीर्य उसकी चूत में गिरा दिया. हम दोनों एक दूसरे की बांहों में कुछ देर यूं ही पड़े रहे. फिर थोड़ी देर बाद कौशल्या उठी और बाथरूम की ओर जाने लगी. मैंने पीछे झट से उसका हाथ पकड़ा और उसे अपनी गोद में बिठा लिया और पीछे से चुचियाँ दबा दबा कर हम बातें करने लगे.

कहानी जारी रहेगी.

badmasbaap@gmail.com

कहानी का अगला भाग : मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-3

Other stories you may be interested in

मेरी गर्लफ्रेंड का प्रथम बुर चोदन

मेरे प्रिय दोस्तो, मेरा नाम रेनिश है, मैं गुजरात के अहमदाबाद सिटी में रहता हूँ. हिंदी सेक्स कहानी की दुनिया की सबसे बड़ी और पसंद की जाने वाली साईट अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है. यह सच्ची घटना मेरी […]
Full Story >>>

मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-3

अब तक इस सेक्स कहानी के दूसरे भाग मेरी मस्त पड़ोसन की चाय और गर्म चूत-2 में आपने पढ़ा था कि कुछ 20-22 जोरदार शॉट के बाद मैंने भी फचक फचाक से अपना गर्म गर्म वीर्य उसकी चूत में गिरा […]
Full Story >>>

कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-4

अब तक आपने पढ़ा कि कार एक ढाबे पर रुकी थी, सब लोग नीचे उतर गए थे. कार में मुझे नंगी करके मेरे ऊपर दूसरे वाले ठाकुर अंकल चढ़ने की तैयारी में थे. उन्होंने मुझसे ये पूछा कि अभी इन […]
Full Story >>>

31 साल की कुंवारी बुर चुद गई

दोस्तो, मैं पिछले सात सालों से लगातार अन्तर्वासना का पाठक रहा हूँ. इधर की काफ़ी सेक्स कहानियां पढ़ पढ़ कर मुठ मारने की तो अब आदत सी हो चुकी है. मेरे लिए कोई भी दिन बिना सेक्स कहानी के काटना […]
Full Story >>>

ग्राहक की बीवी ने चूत में लंड लेकर लोन पास कराया

मेरा नाम विकी है.. मैं पंजाब के जालंधर का रहने वाला हूँ। मेरी हाइट 5 फुट 7 इंच है और मेरा औजार 6 इंच लंबा और बहुत मोटा है। अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है उम्मीद करता हूँ कि […]
Full Story >>>